मानव मंगल मिलन सद्भावना समागम का क्षेत्रिय सम्मेलन सम्पन्न

माई झुं.न्यूज। साकार विश्व हरि की असीम अनुकम्पा से (सत्य - सत्संग) मानव मंगल मिलन सद्भावना समागम का क्षेत्रिय सम्मेलन इन्दिरा नगर स्थित सामुदायिक विकास भवन में सम्पन्न हुआ जिसमें 19 जिलों के अध्यक्ष अपनी कमेटियों व उपासकों के साथ सम्मिलित हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रभारी पीएस बृजवासी प्रवेश चौहान दिल्ली, बाबा बहादुर सिंह मेड़ता, रहे। समागम में अमर संदेश जनहित में जनमानस तक पहुंचाने के उद्देश्यों को लेकर मानव मंगल मिलन सद्भावना समागम का आयोजन किया गया। झुंझुनूं के श्री रामावतार जीनगर, सज्जना ढाका, मंजू चौधरी, कृष्णा ठिमाऊ ने अपनी आप बीती की अमर कहानी

सुनाई। समागम को सफल बनाने के लिए ओमप्रकाश बोला, बाबु प्रभुदयाल, ओमप्रकाश यादव, गोपीराम वर्मा, हीरालाल नायक, मनीष चौधरी, धर्मपाल ठिमाऊ, दुलीचंद, दरियासिंह ढाका, श्रीमती ऊषा कानोड़िया-सूरजगढ़, श्रीमती सुधा कानोड़िया, सूरजगढ़, श्रीमती योगिता सोनी-सूरजगढ़, सीताराम शर्मा, सूरजगढ़, श्रीमती सुमन खींची-झुंझुनूं, श्रीमती मधु शेखावत-झुंझुनूं, श्रीमती कान्ता खीचड़-झुंझुनूं, श्रीमती गायत्री चारण, झुंझुनूं का असीम सहयोग रहा।

समागम में 25 भाई व 25 बहनों सेवादारों ने चिलचिलाती धूप में 10 घंटे तक सेवाएं दी। समागम में जयपुर अध्यक्ष पूर्व एलडीबी सेक्रेटरी पूर्णमल, श्रीचंद चौधरी-जयपुर, केहरसिंह भरतपुर, नयनलाल खेड़ली, कैलाशीराम रूपवास, सोहनसिंह फौजी-हिण्डोनसिटी, सुगनलाल-महुआ, सलीराम बैर, जमना प्रसाद, धोलपुर, सोहन सिंह-कुम्हेर, इंजीनियर पूर्ण सिंह ब्रजवासी,आदि भाईयों ने संबोधित किया झुंझुनूं की श्रीमती सज्जना ढाका, कृष्णा ठिमाऊ, सम्पति शर्मा, सरोज-सीतसर, बलजीत सैन-झुंझुनूं, योगेन्द्र शर्मा, कुमारी अंतिमा-सीतसर ने आप बीती व भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थितजनों को झकझोर दिया।

धन्यवाद ज्ञापन शेखावाटी संभाग के अध्यक्ष सुरेन्द्रजीतसिंह ने किया। समागम में करीब 1500 भाई-बहनों ने भाग लिया। समागम से पूर्व सीकर, डाबड़ी, झुंझुनूं में स्थानीय समागम आयोजित किये।

तीन दिवसीय चातुर्मास पारायण सत्संग कथा

माई झुं.न्यूज। परम् पूज्य प्रमुखस्वामी महाराज की प्रेरणा से श्री स्वामिनारायण सत्संग मण्डल के द्वारा श्री केशव आदर्श विद्या मन्दिर में तीन दिवसीय चातुर्मास पारायण सत्संग कथा का प्रारम्भ हुआ जिसमें स्वामिनारायण अक्षरधाम मन्दिर, जयपुर के पूज्य योगीप्रेमदास स्वामीजी एवं पूज्य परममुनी स्वामी जी ने कथामृत एवं भजनो की भक्तिमय प्रस्तुति कर सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया ।

पूज्य योगीप्रेम स्वामीजी ने बताया कि रामायण, भागवत एवं भगवान स्वामिनारायण के प्रसंगो के माध्यम से पारायण द्वारा कथा सुनना मोक्ष प्राप्ति का सर्वोत्तम माध्यम है । रामायण में हमें राम भगवान के स्वरूप की निष्ठा करवाते हैं तो माता सीताजी भक्ति तथा लक्ष्मण धर्म के स्वरूप का ज्ञान करवाते हैं । कथा में भगवान स्वामिनारायण के बाललीला चरित्रों में उनके घनश्याम एवं हरिकृष्ण चरित्रों पर प्रकाश डाला । सत्संग में शहर के अनेक हरिभक्तों सहित अनेक गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे ।

विज़्डम सिटी में नव विद्यार्थी परिषद् का गठन

माई झुं.न्यूज। जीवेम् स्कूल विज़्डम सिटी में प्रतिवर्ष की भांति आज गुरूवार को नव विद्यार्थी परिषद् गठन के उपलक्ष्य में एक शानदार रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीवाईएसपी सुरेन्द्र कुमार दानोदिया एवं विशिष्ट अतिथि ज्ञानकुटीर सीईओ श्यामसुन्दर शर्मा, स्कूल प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा, हैडमिस्ट्रेस श्रीमती सरोज सिंह एवं प्रशासक रोहिताश्व पूनिया उपस्थित थे। पुरानी विद्यार्थी परिषद् ने अपना कार्यभार नव गठित विद्यार्थी परिषद् को सौंपा। स्कूल प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा, हैडमिस्ट्रैस सरोज सिंह एवं प्रशासक रोहिताश्व पूनियां ने भी नव विद्यार्थी परिषद् को बधाई दी एवं विद्यार्थियों को तैयारी करवाने वाले सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन पूर्व स्कूल कैप्टन छात्रा अनुराधा मोगा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित कर किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अतिफ़ा अमीर ने किया। छात्र नवीन सोमरा एवं रविराज गुर्जर ने परेड को कमाण्ड किया।

एनएसएस के अभिविन्यास कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

झुन्झुनू, 10 सितम्बर : सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी हेमंत सिंह ने कहा है कि एन.एस.एस. यूनिट जिला प्रशासन को साक्षरता, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा स्वच्छता कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे जिले को खुले में शौच से मुक्त करने के लिए अपने परिवार तथा पड़ोस के लोगों को शौचालय निर्माण तथा उनका उपयोग करने के लिए प्रेरित करे, ताकि 31 दिसम्बर 2015 तक सम्पूर्ण जिले को ओ.डी.एफ. घोषित किया जा सके। वे गुरूवार को सेठ नेतराम मघराज टीबडेवाला राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा

योजना के तहत लगने वाले तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में छात्राओं को सम्बोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामजीलाल चौहान ने महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए स्वयं सेवकिाओं का आह्वान किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश आर्य ने एनएसएस की प्रासंगिकता, उद्देश्य एवं किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी मुकेश कुमार अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. राजेश आर्य एवं स्वयंसेविका डिम्पल व सरिता ने किया।

झुंझूनूं का नाम इण्डिया बुक ऑफ रिकॉडस में दर्ज

झुन्झुनूं 2 सितम्बर। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं अभियान के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्डस में जगह पाने वाले झुंझुनूं के नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। तम्बाकू छूडाओ-युवा बचाओ अभियान ने इण्डिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड मे अपना नाम दर्ज करवा कर झुंझुनूं का नाम फिर देश दुनिया के मानसपटल ला दिया है। गौरतलब है कि विगत 13 मई 2015 को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र राठौड़ की प्रेरणा से जिला कले?टर एस.एस. सोहता के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा चिकित्सा विभाग द्वारा ''तम्बाकू छुड़ाओ, युवा बचाओ'' महासम्मेलन सेठ मोतीलाल कॉलेज में आयोजित किया गया था, जिसमें जिले की सभी एक हजार ग्रामीण स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों से रिकॉर्ड लोगो ने पहुंच कर तम्बाकू छोड़ने का संकल्प लिया था।

इस अभुतपूर्व सफलता को एक कीर्तिमान के रूप मे दर्ज करवाने के लिये चिकित्सा विभाग ने इण्डिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकोर्ड मे आवेदन किया था। जिसका कन्फर्मेशन बुधवार को सीएमएचओ कार्यालय को प्राप्त हो गया। इण्डिया बुक ऑफ रिकॉड ने तम्बाकू छुड़ने के इस जागरूकता कार्यक्रम को देश का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम माना है। रिकॉड के फरीदाबाद स्थित कार्यालय की मीनाक्षी ने सीएमएचओ डॉ0 एस एन धैलपुरिया को पत्र भेज कर रिकॉड दर्ज होने की सूचना एवं बधाई दी। सूचना मिलते ही कार्यालय में खुषी की लहर दौड़ गई। डॉ0 एस एन धौलपुरिया ने कहा कि हमारी इस सफलता में जिला प्रशाषन, तम्बाकू सैल, आईईसी ब्यूरो सहित सम्पूर्ण चिकित्सा विभाग जनो, समाजसैवियों, एवं संस्थाओ का सहयोग रहा ये सब बधाई के पात्र है।

श्रीगोपाल गौशाला झुंझुनूं विकास की ओर बढ़ते कदम

माई झुं. न्यूज.। शहर की सबसे पुरानी गौसेवा को समर्पित श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है विकास के नये आयाम स्थापित कर रही है विगत कुछ समय में नई कार्यकारिणी के तथा शहर के गणमान्यजनों के मार्गदर्शन में दानदाताओं के सहयोग से काफी कार्य हुआ है।

गाय रसोई : 21 अगस्त से 20 सितम्बर तक प्राप्त गाय रसोई के दानदाताओं का विवरण इस प्रकार है- स्व.श्री कृपाशंकर जी मोदी कलकत्ता प्रवासी की पुण्य स्मृती पर श्री अरूण कुमार जी मोदी कलकत्ता प्रवासी की तरफ से, श्री ओमप्रकाश जी टिबड़ा (बडागांव वाले) की तरफ से उनकी पुज्य माताजी की पुण्य स्मृती पर, श्री नागरमल नन्दलाल जी तुलस्यान,हैदराबाद, स्व.श्रीमती गीता देवी गौरीशंकर जी सिघानियां की पुण्य स्मृती पर श्री प्रमोद कुमार जी सिघानियां, मुम्बई प्रवासी द्वारा, श्री पंचदेव मन्दिर,झुन्झुनूं द्वारा, श्री गोविन्दराम संजय कुमार टिबडेवाल, झुन्झुनूं द्वारा, श्री मोलकचन्द जी जमालपुरीया,झुन्झुनूं द्वारा, श्री मुरलीधर जी झुन्झुनवाला, टाटानगर प्रवासी द्वारा एंव श्री नागरमल रामलाल जी तुलस्यान, हैदराबाद द्वारा गाय रसोई दी गई।

गौशाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष ताराचन्द गुप्ता, मंत्री सुभाष क्यामसरिया व कोषाध्यक्ष नरोत्तम राणासरिया ने बताया कि उनका प्रयास है कि प्रत्येक परिवार प्रत्येक व्यक्ति गौ सेवा से जुड़ा रहे है इस हेतु गौशाला ने गौ सेवा हेतु **कुछ दान राशि निश्चित** की है जो इस प्रकार है- एकवर्ष के लिए गाय गोद 7 हजार, आजीवन गाय गोद 1 लाख, एक दिवस का गौशाला का खर्चा 21 हजार, गाय रसोई छानी सहित 15 हजार, गाय रसोई 11 हजार, हराचारा एक दिन का 7 हजार, छानी एक दिन की 5 हजार, गुड कट्टा एक का एक हजार एक सौ रुपये, जौ एक क्विंटल एक हजार एक सौ रुपये तथा खल एक क्विंटल का एक हजार छह सौ रुपये है। इच्छुक दानदाता गौभक्त इच्छित राशि गौशाला को दान कर सकता है। दानदाता दानराशि बैंक ऑफ बड़ौदा गांधी चौक झुंझुनूं शाखा में खाता नंबर 01280100000945 में जमा करवा सकता है। गौशाला को दिया गया दान आयकर कानून की धारा 80 जी के अन्तर्गत कर मुक्त है।

गौशाला की ओर से यज्ञ शाला का शुभारम्भ कर दिया गया है। जिसमें प्रत्येक पूर्णिमा एवं अमावस्या को होने वाले यज्ञ के लिए अग्रिम स्थान आरक्षण की सुविधा है। साथ ही गौशाला में तुलादान की भी सुविधा भी उपलब्ध है। इस हेतु अधिक जानकारी के लिए गौशाला प्रबंधन से सम्पर्क किया जा सकता है।

गौशाला के बारे में अधिक जानकारी हेतु वेबसाईट लॉगइन करे। **www.shrigopalgaushala.com**

गाय खड़ी जिस घर के द्वारे।
समझो उस घर श्री कृष्ण पधारे।।

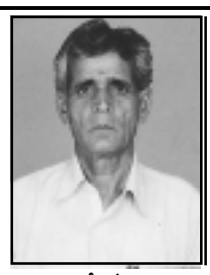

अक्टूबर माह के व्रतोत्सव-2015

पंडित महावीर प्रसाद पारीक,
शास्त्री एम ए, संस्कृत
बीदासर- बिसाऊ
मोबाईल- 9460513758

माई झुं.न्यूज। अक्टूबर की पहली तारीख श्राद्ध पक्ष की चतुर्थी से तिथि में है। गणेश जी का व्रत चतुर्थी का श्राद्ध है। श्राद के सम्बन्ध में थोड़ा विवेचन कर लेते हैं। मनुजी ने ऋषियों से पितरों की तथा पितरों से देवों की उत्पत्ति बतलाते हुए पितृतत्व को भी एक महत्त्वपूर्ण कड़ी के रुप में स्वीकार किया है। पितर शब्द बहुत व्यापक है। हम सामान्यत: जिन्हें पितर समझते हैं वे हमारे पूर्वज है। ये पितर प्रेत पितर कहलाते है इसके अतिरिक्त दिव्य पित्तर और ऋतु पित्तर भी है। इन पितरों के स्वरूप को समझने के लिये हमें जानना होगा कि अग्नि पितरहै सोम पितर है ऋतु पितर है। इसका आशय यह कि कुछ पितरों को अग्नि पितर इसलिये कहते है कि इसमें अग्नि के पितर प्राण पर बल दिया जाता है। इसी प्रकार सोम पितर को सोम में रहने वाले पितर प्राण कहते हैं। अग्नि से जुड़ा हुआ पितर प्राण अन्नाद पितर, सोम से जुड़ा हुआ पितर प्राण अन्न पितर है। इसी प्रकार ऋतु में रहनेवाले ऋतु पितर प्राणद है। इसी प्रकार हम समझ सकते है कि हम पितर पूजा अन्नादि से सभी प्राणियों को संतुष्ट करके हर जीव में स्थित पितर प्राण को संतुष्ट करते हैं। तृप्त करते हैं। कन्या के सूर्य में पितृलोक से पितरों का आमगन भूमण्डल पर होता है। इसलिये कि पृथ्वी सूर्य के अधिकतम निकटतम स्थिति पर होती है। इसलिये ज्योतिष्शीय आधार पर भी कन्यार्क में हम पितरों के पर्व मनाते है। इस प्रकार के कार्यक्रम पार्वण श्राद्ध श्रद्धायुक्त अर्पण ही श्राद्ध कहलाते है श्रद्धया दीयते यत् श्राद्धम् पितरों का कार्य ऋषि ऋण ब्रह्मचर्य द्वारा अर्थात् ज्ञानद्वारा देवऋण यज्ञ द्वारा और पितृऋण पुत्रोत्पत्ति द्वारा चुकाया जाता है। अत: पितरें द्वारा हमारी संतानों की वृद्धि संतति उन्नति करते हैं। आयु: प्रजां धनक्तिं स्वर्ग मोक्षं सुखानि च। प्रयच्छन्ति तथा राज्यं पिता नृणां पितामहा:। आयु: पुत्रान् यश: स्वर्ग कीर्ति पुष्टिं बलं प्रियम। पशून सौख्यं धनं धान्यं प्राप्नुयात्। पितृ पूजनात् इस पक्ष में पिता की तिथि को पार्वण श्राद्ध कराना चाहिये- पर्वणि भव: पार्वण: महालय में एकोदिष्ट श्राद्ध नहीं होता है जो पार्वण श्राद्ध न कर सके, वह कम से कम पंचबलि निकालकर ब्राह्मण भोजन ही कराये-

अब हम श्राद्ध तिथियों का उल्लेख करेंगे- 2 अक्टूबर शुकब्रवार को पंचमी का श्राद्ध। 3 अक्टूबर शनिवार को षष्ठी का श्राद्ध। 4 अक्टूबर रविवार को सप्तमी का श्राद्ध, 5 अक्टूबर सोमवार को अष्टमी का श्राद्ध। 6 अक्टूबर मंगलवार को नवमी श्राद्ध सौभाग्यवती श्राद्ध। 7 अक्टूबर बुधवार को दशमी का श्राद्ध। 8 अक्टूबर गुरुवार को एकादशी का श्राद्ध इन्दिरा एकादशी व्रत। 9. अक्टूबर शुक्रवार द्वादशी का श्राद्ध संन्यासियों का श्राद्ध। 10 अक्टूबर शनिवार त्रयोदशी का श्राद्ध शनि प्रदोष। 11 अक्टूबर रविवार चतुर्दशी का श्राद्ध अपमृत्युवालों का श्राद्ध। 12 अक्टूबर सोमवार को सोमवती अमावस्या सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध। 13 अक्टूबर मंगलवार शारदीय नवरात्र महाराजा अग्रसेन जयंती मातामह श्राद्ध (दोपहर में) घटस्थापन पूजा समय दोहपर 12/1 से 12/40 तक शैल पुत्री पूजा। 14 अक्टूबर चन्द्रदर्शन द्वितीय नवरात्र ब्रह्मचारिणी पूजा। 15 अक्टूबर तीसरा नवरात्र चन्द्रघटा की पूजा। 16 अक्टूबर चौथा नवरात्र कुष्माण्डा की पूजा। 17 अक्टूबर पाँचवा नवरात्रा स्कन्दमाता की पूजा। 18 अक्टूबर छठा नवरात्रा कात्यायनी पूजा। 19 अक्टूबर छठा नवरात्रा कात्यायनी पूजा। 20 अक्टूबर आठवा नवरात्रा महागौरी की पूजा, 21 अक्टूबर नवम नवरात्रा सिद्धिदात्री पूजा, 22 अक्टूबर को महानवमी बलिदान के लिये विजयादशमी पूजा, 24 अक्टूबर पापांकुश एकादशी स्मार्तों की नवरात्रा पारण। शक कार्तिक मास प्रारम्भ भरत मिलाप। 25 अक्टूबर प्रदोष व्रत 26 अक्टूबर कोजागर व्रत 27 अक्टूबर सत्यानारायण व्रत। 28 अक्टूबर कार्तिक बदी एकम् 30 अक्टूबर चतुर्थी व्रत करवा चौथ व्रत। शुभम्।।

जिला ब्राह्मण महासंघ की कार्यकारणी का गठन

चिड़ावा । झुंझुनूं जिला ब्राह्मण महासंघ की 41 पदाधिकारीयों की जिला स्तरीय नवीन कार्यकारिणी का बुधवार को गठन किया गया। कार्यकारणी में सात सदस्यीय परामर्शदाता मण्डल में पवन पुजारी झुंझुनूं, सुरेश शर्मा सूरजगढ, सुभाष शर्मा चिड़ावा, डॉ बीके शर्मा मण्डेला, संत कुमार पुरोहित झुंझुनूं, राधेश्याम पुरोहित पुरोहितों की ढाणी, अशोक शर्मा गुढा को शामिल किया गया।

कार्यकारणी में श्रीराम ढण्ड मण्डाव सभापति, गोकुलचंद शर्मा छापोली सहसभापति, प्रभुशरण तिवाड़ी चिड़ावा, जिलाध्यक्ष, हीरालाल शर्मा खाजपुर उपाध्यक्ष, मुरारीलाल इंदोरिया नवलगढ महामंत्री, रामकिशन शर्मा भड़ौंदा कलां व अनिल शर्मा चिड़ावा सचिव, सुधीर शर्मा भड़ौंदा खुर्द संयुक्त सचिव, प्रदीप शर्मा अलसीसर कोषाध्यक्ष, बलदेव शर्मा मण्डावा संगठन सचिव, उमाशंकर जोशी चिड़ावा को संस्कार प्रकोष्ठ प्रभारी का दायित्व सौपा गया। इसके अलावा पंचायत समिति अध्यक्ष व पदेन सदस्यों की भी नियुक्ति की गयी है जिनमें संगठन के झुंझुनं पंचायत समिति अध्यक्ष पद पर उमाशंकर महमियां, चिड़ावा पंस अध्यक्ष बजरंगलाल शर्मा, नवलगढ पंस अध्यक्ष ओमप्रकाश मिंतर, उदयपुरवाटी पंस अध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा, खेतड़ी पंस अध्यक्ष प्रदीप सुरोलिया, बुहाना पंस अध्यक्ष कैलाशचन्द्र पाण्डे, अलसीसर पंस अध्यक्ष मदनलाल चौमाल, सूरजगढ पंस अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा काजड़ा को बनाया गया।

महिला प्रभारी व जिला कार्यसमिति सदस्यों में उदयपुरवाटी-नवलगढ से प्रेमलता शर्मा बुहाना-खेतड़ी शक्ति शर्मा, चिड़ावा-सूरजगढ निर्मला मिश्रा मण्डेला, झुंझुनू-अलसीसर प्रमिला शर्मा, नगरध्यक्ष व जिला कार्यसमिति सदस्यों में रामगोपाल महमिया, झुंझुनूं, रामगोपाल सुरोलिया नवलगढ, आदित्यनारायण सुरोलिया मुकुंदगढ, मक्खनलाल नार खेतड़ी, शिवभगवान शर्मा बगड़, महेन्द्र अरड़ावतिया चिड़ावा, डॉ अरूण पुष्करणा सूरजगढ, विश्वनाथ भामिया पिलानी, गिरधारीलाल सुरोलिया मण्डावा और दुर्गा प्रसाद मिश्र को बिसाऊ नगरध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। समिति के जिलाध्यक्ष प्रभुशरण तिवाड़ी ने बताया कि महासंघ जिले भर में शिक्षा संस्कार एवं अधिकार के लिए सभी सम्बंधित संगठनों से मिलकर सक्रिय कार्यक्रम संचालित करेगा। महासंघ की जिले की आठो पंचायत समितियों की प्रत्येक ग्राम पंचायत पर कार्यकारणी का गठन किया जायेगा। सवर्णो को आरक्षण के राजपूत समाज व महाजन वर्ग के संगठनों के सहयोग से सामूहिक आंदोलन चलाया जायेगा।

कमल हाइट्स में गणेश महोत्सव

माई झुं.न्यूज। मोदी रोड स्थित कमल हाइट्स में गणपति महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। महोत्सव के दौरान भजन संध्या में सुंदर भजनों की प्रस्तुतियों पर देत रात तक श्रोता भक्तों ने भक्ति संगीत का लाभ उठाया। गणेश विसर्जन की शोभा यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ गणेश प्रतिमा का विसर्जन हुआ। समारोह के दौरान ओमप्रकाश केजड़ीवाल, राजेश केजड़ीवाल, कमल अग्रवाल, अशोक तुलस्यान, पवन मोदी, विमल रिंगसिया, कैलाश शर्मा, सुशील शर्मा, मुकेश मोदी, सुनील आदि जन का सराहनीय योगदान रहा।